कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

यतेमहि स्वराज्ये

ISSN : 2229-7227
Price : ₹ 500
$ 70

Year : 8
Issue : 31 (ii)
July - September 2018
www.chintanresearchjournal.com
Impact factor : 4.012

International Refereed

चिन्तन रिसर्च जर्नल

Chintan Research Journal

(कला, साहित्य, मानविकी, समाज–विज्ञान, विधि, प्रबंधन, वाणिज्य एवं विज्ञान विषयों पर केंद्रित)

(Indexed & Listed at : Ulrich's Periodicals Directory ©, ProQuest . U.S.A.)
(Indexed & Listed at : Copernicus, Poland)
(Indexed & Listed at : Research Bib, Japan)
(indexed & Listed at : Indian Journal Index (IJINDEX))
(UGC Approved List No. 41243)

संपादक
आचार्य (डॉ०) शीलक राम

यावत् जीवेत् सुखं जीवेत्

आचार्य अकादमी
भारत
ISO 9001 : 2008

- **Anti-Dowry Laws and their Infirmity to Meet the Objective: A Critical Appraisal**
  Shaifali Dixit — 121-126
- ਮੌਲਿਕ ਪੈੜਾਂ ਪਾਉਣ ਵਾਲਾ ਆਪਣੀ ਸਦੀ ਦਾ ਸ਼ਹੀਦ ਸੂਰਮਾ : ਬਾਬਾ ਬੰਦਾ ਸਿੰਘ ਬਹਾਦਰ
  ਡਾ. ਗਗਨਦੀਪ ਕੌਰ — 127-131
- ਡਾ. ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ ਆਸ਼ਟ ਰਚਿਤ ਬਾਲ ਸਾਹਿਤ ਦਾ ਸਮਾਜਿਕ, ਸੱਭਿਆਚਾਰਕ ਅਤੇ ਮਾਨਸਿਕ ਪਰਿਪੇਖ
  ਕਮਲਜੀਤ ਕੌਰ, ਡਾ. ਪਰਮਿੰਦਰ ਸਿੰਘ — 132-136
- **E – Business: Success and Failure in India**
  Dr. Kavita jain — 137-141
- **Challenges for Public Administration**
  Dr. S. Bala Brahma Chary — 142-148
- **Communication Skills of Student Teachers With Reference to Some Demographic Variables : A Comparative Study**
  Sunita — 149- 163
- **The Minorities and Their Voices: A Critical Study of Rohinton Mistry's *A Fine Balance***
  Parul Soni — 164-167
- **वेदों में प्रतिपादित यज्ञ का वास्तविक स्वरूप**
  डॉ. रवि प्रभात — 168-172
- **Ujjwala Yojana**
  Manu Kumari — 173-176
- **'उसने कहा था' कहानी में चित्रित प्रेम का उदात्त स्वरूप**
  सीमा रानी — 177-180
- **हठप्रदीपिका में वर्णित आसन**
  डॉ॰ पी॰ सी॰ शर्मा — 181-187
- **रत्नकुमार सांभरिया की कहानियों में 'दलित चेतना'**
  स्नेहलता — 188-194
- **स्त्री-विमर्श और हिन्दी साहित्य**
  यशवन्ती — 195-199
- **संयुक्त राज्य अमेरिका की संघीय व्यवस्था : स्वरूप एवं प्रकृति**
  रीना — 200-204
- **पूर्वमध्यकालीन वस्त्र परम्परा**
  डॉ॰ बी॰ सी॰ जोशी — 205-210
- **Casteism & Indian Politics – A Study**
  Dr. Amita Joshi — 211-214
- सियारामशरण गुप्त के काव्य में राष्ट्रीय चेतना
  कंचन शर्मा — 215-220
- **प्राचीन भारत में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का विकास**
  Parvesh — 221-226
- **वीणा की विकासात्मक व्याख्या एवं विभिन्न वीणा-संज्ञाएँ**
  सीता रानी — 227-234
- **'साहित्य में युग-बोध : एक परिदृश्य'**
  डॉ॰ रति तिवारी — 235-238

International Refereed
UGC List No.41243
Impact Factor : 4.012

'चिन्तन' अन्तरराष्ट्रीय रिसर्च जर्नल (ISSN : 2229-7227)
वर्ष 8, अंक 31(II) (पृ.सं. 200-204)
विक्रमी सम्वत्: 2076 (जुलाई-सितम्बर 2018)

संयुक्त राज्य अमेरिका की संघीय व्यवस्था : स्वरूप एवं प्रकृति

रीना
सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग
आर॰ के॰ एस॰ डी॰ (पी॰ जी॰) कॉलेज, कैथल
(हरियाणा)

शोध-आलेख सार

इस शोधकार्य का मुख्य उद्देश्य संयुक्त राज्य अमेरिका की संघीय व्यवस्था का अध्ययन करना है। कि संयुक्त राज्य अमेरिका में संघीय व्यवस्था को ही क्यों अपनाया ? इसके प्रमुख तत्व कौन-2 से है? इसकी क्या विशेषताएं है? संघीय संविधान की दृष्टि से अमेरिका के संविधान को सबसे पुराना संविधान माना जाता है। अमेरिका के संविधान के बारे में कहा जाता है कि वह सबसे पुराना तथा सफल संघीय संविधान है। संयुक्त राज्य अमेरिका में संघ का निर्माण स्वतन्त्र राज्यों द्वारा हुआ है जिन्होंने अपनी प्रभुता का कुछ भाग संघात्मक सरकार को सौंपा है। संयुक्त राज्य अमेरिका में संघात्मक सरकार अपने क्षेत्राधिकार में स्वतन्त्र है लेकिन वहां पर शासन संचालन सफलतापूर्वक तभी चल सकता है जब राज्य सरकारें अपने-2 क्षेत्राधिकार में रहकर कार्य करें।

मुख्य शब्द : संविधान, संघात्मक सरकार, राज्य सरकार ।

संघीय शासन की दृष्टि से अमेरिका के संविधान को सबसे पुराना संविधान माना जाता है। उसके बारे में कहा जाता है कि वह सबसे अधिक सफल संघीय संविधान भी है। कुछ विचारकों द्वारा तो यह कहा जाता है कि यह एक ऐसा संघीय संविधान है जिसका अनुकरण अन्य संघीय संविधान वाले देशों में किया जाता है। अमेरिका की संघीय व्यवस्था को ''आदर्श संघात्मक व्यवस्था '' का नाम दिया जाता है। यहां की संघात्मक शासन की शक्तियां संविधान द्वारा निर्धारित की गई है। के॰सी॰ व्हीयर का कथन है कि '' अमेरिकी संविधान में कही पर भी 'संघीय' या 'संघ' शब्द का प्रयोग नही किया गया है, लेकिन फिर भी इसे संघीय संविधान कहा जाता है और वर्तमान समय में सभी व्यक्ति संयुक्त राज्य अमेरिका को संघीय शासन का एक आदर्श उदाहरण मानते है।''[1] कनाडा, स्विट्जरलैण्ड, भरत, मैक्सिको, आस्ट्रेलिया तथा बर्मा आदि देशों में जिस प्रकार की संघीय व्यवस्थाएं अपनायी गयी है उनकी अनेक बातें अमेरिका के संविधान से मिलती जुलती है।

संघीय शासन क्या है:-

संघवाद का अंग्रेजी पर्यायवाची ''फेडरलिज्म'' शब्द लैटिन भाषा के फोएडस शब्द से लिया गया है जिसका अर्थ है संधि या समझौता। फ्रॉसीसी विचारक मान्तेस्क्यू ने लिखा है कि ''शासन का यह रूप एक समझौता है जिसके द्वारा छोटे-2 राज्य उस बड़े राज्य के सदस्य बन जाते हैं जिसको वे स्थापित करना चाहते है।'' सामान्यत: संघवाद एक राजनीतिक समझौता है जिसके अनुसार राज्यों के अधिकारों को सुनिश्चित किया जाता है। डायसी ने संघवाद की तीन प्रमुख विशेषता बतायी है : 1. संविधान की सर्वोच्चता 2. इकाईयों और संघ के बीच शक्तियों का वितरण 3. न्यायालयों का संविधान के निर्वाचन का अधिकार